



न्यु महाबलेश्वर गिरिस्थान विकास प्रकल्प

न्यु महाबलेश्वर कि निर्मिती क्यो हुई?

महाराष्ट्र के सातारा जिले मे महाबलेश्वर यह पर्यटकोंका मनपसंद-पर्यटन केंद्र है। महाबलेश्वर और पाचगणी यह क्षेत्र ठंडी हवा के लिए प्रसिद्ध होने की वजह से यहाँ पर्यटकोंकी विशेषतः गर्मी के मोसम मे अतिरिक्त रेलचेल लगी रहती है। वहाँपर निवासस्थान, पानी वितरण इत्यादि मुलभूत सुविधाओंपर अतिरिक्त बढ़ते दबाव के कारण केंद्रशासन पर्यावरण विभागद्वारा संबंधी मार्गदर्शक सुचना प्रस्थावित की गई है।

इस दृष्टिकोन का ध्यान रखते हुए गिरिस्थान प्रकल्प को सुयोग्य उपलब्धी, उदा- नैसर्गिक वरदान प्राप्त नयनरम्य वातावरण, विशाल जलाशय, झील-झरने, उँचे पर्वत शृंखला, पर्यटकोंको आकर्षित ऐतिहासिक स्मारक, किले, धार्मिक स्थल, एवं आने जाने के लिए सुयोग्य मार्ग व्यवस्था, इन सुविधाओं का मुल्यांकन करते हुए ५०-६० कि. मी. फैले हुए कोयना जलाशय के किनारे पर सातारा, पाटण, जावली, इन तहसिलोके सह्याद्री पर्वत-शिखर पहाडोंपर उपलब्ध ३७२ कि. मी. परिसर क्षेत्र निश्चीत किया गया है।

इस पर्यटन विकास क्षेत्रों में सातारा तहसिल के ८ गाँव, पाटण तहसिल २९ गाँव, और जावली तहसिल के १५ गाँवों का न्यु महाबलेश्वर शहर क्षेत्रों में समावेश किया गया है। यह विकास क्षेत्र शासन द्वारा उपलब्ध जमीन और निम्नस्तर उपजत जमिन तथा नापीक जमिन पर किया जायेगा।

न्यु महाबलेश्वर विकास प्रकल्प किसलिए?

- अंदाजित ५०-६० कि. मी. नयनरम्य सुखद परिसरयुक्त कोयना बँक वॉटर्स।
- अंदाजित १०००से१२००मी. समुद्री औसत उंचाईयुक्त परिसर।
- विकास हेतू शासकिय जमीन की बडी उपलब्धी।
- महाबलेश्वर-पाचगणी इन सुप्रसिद्ध ठंडी हवा की जगह से नजदिकी परिसर।
- इको-फ्रेंडली बिजली निर्मिती, पवनऊर्जा।
- आकर्षक पर्वतघाटी, हराभरा सुंदर मनमोहक परिसर।
- कोयना अभयारण्य।
- अनेक झील-झरने, जलाशय, कास, चिखली, ठोसेघर, पालसावडे, पांगारे।
- धार्मिक स्थल:- श्रीराम मंदिर(चाफल), श्रीखंडोबा मंदिर (पाली), नटराज मंदिर(सातारा), धारेश्वर मंदिर(मराठवाडी)।
- ऐतिहासिक स्थल एवंम किले :- सज्जनगड, औंध, प्रतापगड, अजिंक्यतारा, चाफल, वासोल, जंगली जयगड।
- बांध-बंधारा :- कोयना-उरमोडी।
- रेल यातायात, सडकमार्ग, हवाईमार्ग कि उत्तम व्यवस्था।
- क्षमतायुक्त महाबलेश्वर-पाचगणी पर्यटकों की पर्यटन सुविधा।
- परिसर माध्यमोंसे आनेजानेके लिए पर्याप्त सडकमार्ग।
- साहसी खेलोंको विकसित करनेकि क्षमता।
- स्थानिक व्यक्ती/प्रदेश/राज्य कि आर्थिक परिस्थिती विकसीत करनेकी परिपूर्ण क्षमता।
- आनेवाले २० वर्षों मे अंदाजित ८०० करोड शासकिय महसूल(वित्त) मिलनेकि क्षमता।

इस विकास केंद्र मुलभूत सुविधा, सामाजिक सुविधा, पर्यटन केंद्र और अन्य विकास अंतर्गत व्यवस्था इन क्षेत्रों में निम्नलिखित ८ क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

१. नानेल २. आंबेघर ३. औसरीवाडी ४. रामेल ५. वेले
६. चालकेवाडी ७. पिसारवाडी ८. कास

पाटण :- भांबे, कुशी, सावरघर, काठी, निवकणे, चाफोली, दिवशी खुर्द, घाणबी, वाटोळे, कारवट, शिरल, मारूल, बाजे, नाणेल, गाढखोप, रासाटी, शिवदेश्वर, वोपोली, ढाणकल, खेगसे, नेचल, वाघणे, नाव, गोठणे, अटोली, हुंवरणे, पानेरी, कारले, सातर, जिंती, कसणी, जांभे, चिखली, जाईची वाडी, चालकेवाडी, सांडवली, धावली।

सातारा :- केलवली, कांदट, उचाट, सालोशी, वाघावले, लागज, निवली।

जावली :- आकल्पे, पिंपरी, बागणोली, शेवडी, वाघली, सुनावले, कारगाँव, उमरी।

इस प्रकल्प हेतु अंदाजित रू. ६७८ करोड रूपयों की लागत अपेक्षित है। यह प्रकल्प शासन प्रायवेट सेक्टर और संस्था के सहायता से पुर्ण किया जा रहा है। मुलभूत सुविधाओंको शासकिय स्तरोंपर विकसित किया जायेगा। तथा पर्यटन केंद्र, प्रायवेट संस्था और निवासस्थान इत्यादियों का निर्माण प्रायवेट संस्था के माध्यम से विकास किया जायेगा।

पर्यटकों की दृष्टी से संभवित विकास स्थान कास ठोसेघर, चालकेवाडी-घाणवी, पाटण इन मुख्य सडकों के आसपास निर्माण हेतु इन सभी स्थानोंपर मुलभूत सुविधा एवं सामाजिक सुविधा निर्धारित की गइ है।

मुलभूत सुविधाएं:-

- कोयना जलाशय द्वारा अखंडित पानी वितरण व्यवस्था।
- १४२ कि. मी. सडकमार्ग व्यवस्था।
- हर गाँव के लिए बिजली वितरण, बिजली उपकेंद्र, अंतर्गत प्रकाश योजना एवं सडकमार्ग प्रकाशित व्यवस्था।
- गंदे पानीपर प्रक्रिया एवं नष्ट करना, बारीश के पानी का उपयोग, कूडा कचरा नष्ट करना, इत्यादी कार्य हेतु प्रदुषण नियंत्रण प्रकल्प निर्माण कार्य।
- दूरध्वनी व्यवस्था केंद्र, मोबाइल सेवा नेटवर्क इत्यादि।

सामाजिक सुविधाएं:-

- प्राथमिक स्कूल, औषध अनुसंधान केंद्र, तंत्रज्ञान एवं व्यवस्थापन ज्ञान संस्था, महाविद्यालय, इत्यादि।
- आरोग्य केंद्र सेंटर, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, निसर्गोपचार केंद्र, मानसोपचार केंद्र एवं अध्यात्मिक केंद्र।
- मनोरंजन हरित केंद्र, खेलमैदान, सभाघर, सिनेमाघर, नाटक हॉल, सार्वजनिक वाचनालय ग्रंथालय, अग्निशमन केंद्र, पुलीसथाना, डाक कार्यालय, बस स्थानक, इत्यादि।

प्रकल्प अंतर्गत प्रस्थावित पर्यटन योजना

१. वनस्पति उद्यान और संवर्धन केंद्र
२. थीम पार्क ३. जॉर्जस पार्क ४. हेल्थ क्लब ५. अध्यात्मिक केंद्र
६. साहसी खेल ७. घोड़ेस्वार/अश्वारोहण ८. पॅरा-ग्लायडिंग
९. गिरीधमण (ट्रेकिंग) १०. हॉटेल्स और रिसॉर्ट्स ११. गिरी विहार संकुल (हिल रिसॉर्ट) १२. कलाग्राम १३. सभागृह सुविधा
१४. प्रायव्हेट बंगलो १५. गॉल्फ कोर्ट १६. कॉलिफोर्निया के योसोमाईट नैसर्गिक वन के आधारपर वन उपलब्धी १७. अभयारण्य
१८. पंछी अभयारण्य १९. शॉकिन मच्छीमारी (फिश ऑक्टीवीटी)
२०. मनोरंजन संकुल २१. उपहारगृह २२. विहंगम दृष्य
२३. व्यवस्थापन संस्था २४. संशोधन संस्था २५. वैद्यकीय संस्था
२६. हवामान वेधशाला २७. पर्यावरण प्रयोगशाला २८. सार्वजनिक स्कूल।

न्यु महाबलेश्वर गिरिस्थान विकास प्रकल्प की प्रशासकिय जानकारी:

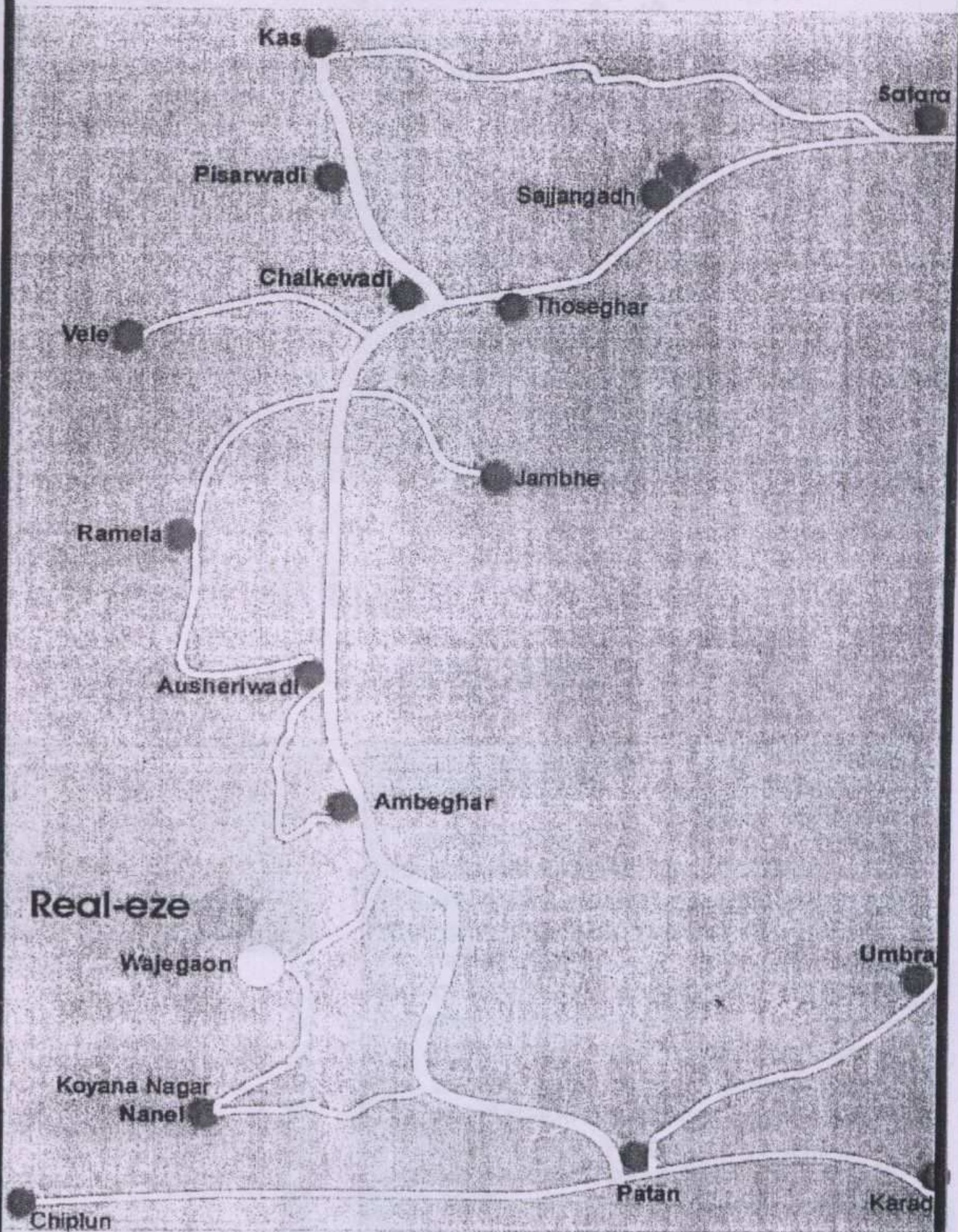
सुकाणु समिती:-

महाराष्ट्र शासनके परिपत्रक क्र. एम. टी. सी. /२००१/४७८ दि. ११/२/२००२ नुसार प्रधान सचिव पर्यटन विभाग की अध्यक्षतामें सुकाणु समिती स्थापना की गई उसमें नियोजन, नगर विकास, महसुल(वित्त), व्यवस्थापकीय संचालक एम. टी. डी. सी. और कार्यकारी संचालक, म. रा. र. वि. महामंडल यह सदस्य सचिव का काम देखेंगे।

New Mahabaleshwar

Mumbai ((N-H-17) Goa Highway

Mumbai ((N-H-4) Panigrahi Highway



Mumbai To Wajegaon Via Thoseghar 310 km.

Mumbai To Wajegaon Via Patan 335 km.

Mumbai To Satara 260 km.

Mumbai To Wajegaon Via Chiplun
(Kumbharli-Ghat) 345 km.

શુક્રવાર ૧૩ માર્ચ ૨૦૦૯

हृदय पाटणे

महानगरपालिका क्षेत्र प्रकल्पान्वये
राष्ट्रिय शासन १५०० हेक्टर जमीन
बिना मोबदला देणार आहे. तर
३७०० हेक्टर जमीन सरकारी
दरप्रमाण खरेदी करणार आहे.
५३०० हेक्टर जमीन शासनाकडे

[illegible]

सर्वप्रथम पाणिनीय आहारे मालिन्या
मालिन्यं सर्वलोकीनां महाप्रबन्धवत्
सर्वपात्रा निष्पन्ना आहारे, जनी
वर्जितं निष्कवीर्यं स्वस्वं वृद्धादीनां
एव यत् एकमात्रं भोज्यं यत्कस्य दाया
वर्जितामात्रं मातुः पालनार्थं यत्कस्य
दाया वर्जितादीनां मातुः पालनार्था दा
आधुनिकं दृष्टव्यमपि इत्यत्र १५ रूपे
प्रति दाया इत्यादि पाणी, वातनाय्या
जित्वादानमध्ये ७५ टका नाय्या शुल्क
मात्रं यत् पालित्वा दानमध्ये ५० टका
मात्रं यत् पालित्वा दानमध्ये १०
वर्जितादीनां दाया नाया

केन्द्र सरकाराने पर्यटन शोरेणात
जाहिर केल्ल्या सवलती पुढीलप्रमाणे
प्रकल्प नुसतानुसार करण्णास

राष्ट्र शासनाने एका फतव्याने राज्यघाट्या सार्वजनिक बांधकाम उर्जा व पाटबंधारे विभागाच्या वार्षिक बजेटाची ५० टक्के रकम पयले स्थळांच्या विकासासाठी देऊ करावी, असे जाहीर केले आहे. हेच सकारणी महामंडळे असणाऱ्या एएसआरडीओ, एमटीडीओ इत्यादी मंडळांनी त्यांच्या वार्षिक बजेटच्या ५ टक्के रकम खर्च करावी असाही आदेश दिला आहे. नवीन महामंडळेश्वर प्रकल्प अस्तित्वात येण्याआगोराव

[illegible]